मसीहत का पहले चार सौ वर्षो में फैलना

बालको के अध्यापक बालकों का अध्ययन H4b पढ़ें

1. **प्रार्थना के द्वारा अपने आप को वचन पढ़ाने और मसीही इतिहास अपने शिष्य वृन्द को समझाने के लिए तैयार कर लिजिए।**

प्रार्थनाः प्यारे यीशु, इतिहास के द्वारा हमें यह समझने में सहायता करें कि आप पृथ्वी पर क्या कर रहें हैं।

सक्षिंप्त लेखः यीशु के मरने और फिर जी उठने के पहले चार सौ वर्षो में मसीह, धर्म बहुत से शहरो और देशो में जो रोमन साम्राज्य में थे तथा एशिया और यूरोप तक फैल गया। अक्सर, रोमी ताकतें मसीहियों का विरोध करते थे तथा बहुतों को मार देते थे। फिर भी यीशु का शुभ सन्देश लोगों में फैलता रहा, जैसा कि यीशु ने कहा था।

मत्ति 24:14, 28:18 तथा **प्रेरितो के काम अध्याय 1:8** में यीशु ने अपने शुभ सन्देश के विषय में क्या कहा, ढूढिएँ।

- कौन कौन से देश और मनुष्य शुभ सन्देश सुनेंगे *(मत्ति 24:14)*
- संसार का अन्त आने से पहले क्या होगा *(मत्ति 24:14)*
- किसको अधिकार है कि विश्वासियों को लोगों के बीच भेजे। *(मत्ति 28:18)*
- हमें कहाँ कहाँ जाकर यीशु के चेले बनाने है। *(मत्ति 18:19)*
- कब तक सुसमाचार प्रचार होता रहेगा। *(मत्ति 28:20)*
- यीशु ने कहाँ जाकर अपने गवाह होने के लिए कहा *(प्रेरितों के काम 1:8)*

प्रेरितो के काम अध्याय 7:59-8:5 में मसीहत धर्म प्रचारको के बिना कैसे फैली, ढूंढिए।

- स्तिफनुस की तरह, कुछ मसीहियों के साथ क्या हुआ *(प्रेरितो 7:59-60)*
- यरूशलेम में कलीसिया के साथ क्या हुआ *(प्ररितो 8:1)*
- मसीह लोग कहाँ गए *(प्रेरितो 8:1)*
- शाऊल ने घर घर जाकर कलीसिया के लोगो के साथ क्या किया *(8:3)*
- दूसरे नगरों में मसीहियों ने क्या किया *(प्ररितो 8:4-5)*

सक्षिंप्त लेखः शाऊल बाद में मसीही धर्म प्रचारक बन गया और अपना नाम पौलुस रखा। अत्याचार दो प्रकार के है: मसीहियों के विरुद्ध अपराधिक उपद्रव और कानूनी सताव, क्योंकि वह यीशु से बहुत प्यार करते थे।

प्रेरितो के कार्य अध्याय 14:21-23 में ढुंढें किस प्रकार धर्म प्रचारको ने मसीह धर्म फैलाया!

- कौन सी जगहों पर धर्म प्रचारक गए *(21)*
- उन नगरो में उन्होने क्या किया *(22)*
- उनके सन्देश का विषय क्या था *(23)*
- हर नगर में वह किस प्रकार की कलिसिया शुरू करते थे *(23)*
- किस प्रकार के अगुवे नई कलिसियों को सम्भालते थे *(23)*

रामियो अध्याय **15:18-21** में ढूढें कि प्रेरित पौलुस अपने धर्म प्रचारक काम के बारे में क्या लिखा है!

- मसीह का आज्ञाकारी कौन बना *(18)*

- पौलुस के क्या सेवा थे। *(19)*
- वह यरूशलेम से कहाँ गया। *(19)*
- वह कौन सी जगहों पर जाना चाहता था? *(20)*
- उपेक्षित लोगो के लिए परमेश्वर का क्या वादा है *(21)*

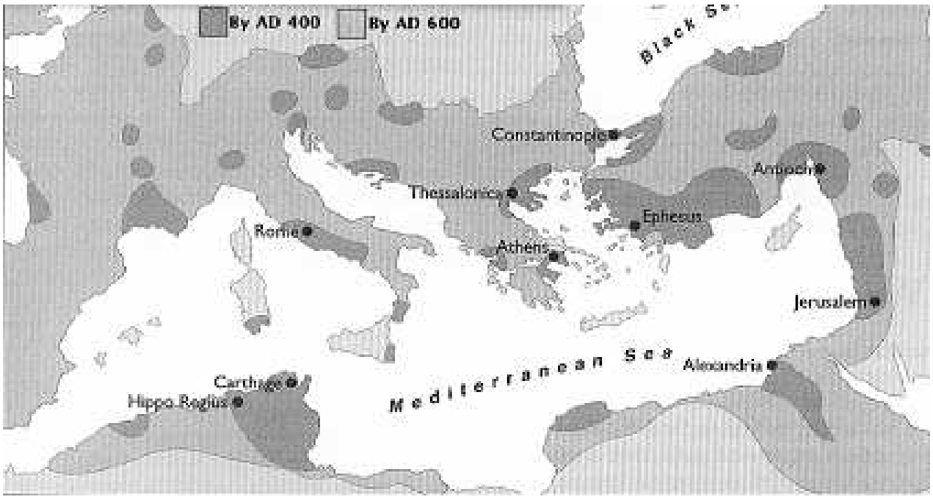

यीशु का सुसमाचार रोम साम्राज्य के सब भागो में फैल गया। जब मसीहियों को बन्धक बनाकर ले जाया गया तो यह समीपवर्ती लोगो में भी फैल गया। अविश्वासी राज्य अधिकारीय द्वारा मसीहियों पर अत्याचार हुआ। फिर भी बहुत सारे राज्यो ने मसीह धर्म ग्रहण किया, क्योंकि:-

- मसीही
- मसीही
- मसीही बिमारों की देखभाल करते थे और जीवन रक्षा करते थे।
- मसीही औरतों की इज्जत करते थे, उन्हें प्रतिष्ठा देते थे और उनकी रक्षा करते थे।
- मसीही विधवाओ और अनाथो का आदर करते थे।
- मसीही जाति एकता को बढ़ावा देते थे और शहरों में लोगों को आपस में जोड़ते थे।
- मसीही शादी में विश्वनिय, सम्बन्ध बढ़ाने तथा खुशी जीवन जीते थे।
- मसीही जीवन इज्जत देने वाला और मनुष्य की प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला है।
- मसीही नया सुसमाचार मानते थे तथा पवित्र आत्मा की अगुवाई में चलते थे।

अल्फा और गोथ

पहले चार सौ वर्षो में गैर-रोमी लोगों ने रोमी साम्राज्य में आना प्रारम्भ कर दिया। गौथ के डाकूओ ने एक जवान रोमी जिसका नाम अल्फा था, अपहरण कर के अपने राज्य ले गए जो धानुबे नदी के पास रोमानिया में था,। वहाँ वह मसीही बन गया। गोथ ने अल्फा को धर्मशास्त्र पढ़ने की अनुमति दे दी और बाद में वह टर्की के कान्टेनटिनोपल में बिशप बना। अल्फा गोथ में लौट आया और उनका रहन सहन अपनाकर चालीस वर्षो तक वहाँ शहर-शहर घूमकर धर्म-प्रचार का काम किया। 382 ए. डी. में अपनी मृत्यु से पहले उसने उन्हें प्रथम सिद्धान्त दिया तथा बाइबल के बहुत भाग का अनुवाद किया। 410 ए.डी. में जब गोथ रोमन साम्राज्य में गए तो बहुत लोगा मसीही थे। यहाँ तक कि मूर्तिपूजक भी कहते थे कि गोथ दूसरों के गुण और स्वभाव का आदर करते थे और वे बहुत गुणवान थे।

वर्ष 313 ए. डी.

300 ए. डी. तक रोमी राज्य में अत्याधिक मसीही बन गए थे और रोमी सरकार ने यह फैसला लिया कि मसीहियो को सताना बन्द करें। कान्स्टटाइन राजा ने अपनी सहनशीलता की आज्ञा देकर मसीहत को नियमअनुसार मान्यता दी। इससे मसीहत पर बुरा प्रभाव पड़ा।

Statue of Constantine

- बहुत से गैर मसीहियों ने गिरजाघरो में आना शुरू कर दिया जिससे कलिसियाओ र्निजीव हो गई।
- मसीही कलिसियाओ ने रोमी सभ्यता अपना ली।
- गैर-रोमी राज्य विश्वासघाती मसीहियो से सन्देहशील हो गए।
- कलिसिया के अगुओ ने गैर-रोमनो से कहा कि पहले वह रोमी सम्यता अपनाए तब उनका बपतिस्मा होगा।
- कलिसिया के अगुवे ईश्वरीयज्ञान और राजनितिक ताकत पर विवाद करने लगे।

2. अपने सहयोगी के साथ आने वाले सप्ताह का कार्यक्रम तैयार करें।

साथ मिलकर उन क्रार्यक्रमों की सूची पढ़ो जो भाग एक में पहले चार सौ वर्षो में हुई। एक या दो कार्यक्रम चुनकर इस प्रकार तयारी करो कि आप और विश्वासी लोग उसी कार्यक्रम को समुदाय में कैसे करेंगे।

अपने नए चारवाहे से मिलकर, जिसको आपने पुरानी कलिसिया के इतिहास के बारे में पढ़ाया और बताया या कोई दूसरा विषय पढ़ाया जो वे जानना चाहते थे, मालूम करें। इसके लिए पी टी एल टी प्रयोग में लाए।

3. अपने सहयोगी के साथ आने वाली प्रार्थनाओ का तयारी करो।

विश्वासी सुसमाचार से पढ़े जो भाग एक में है कि किस प्रकार प्रेरितों ने यीशु का सुसमाचार प्रचार किया और व्यख्या कीजिए कि कैसे विश्वासियों ने मसीह इतिहास के पहले चार सौ वर्षो में इसको बाँटा।

- विश्वासी गवाही दे कि उसने सुसमाचार कैसे सिखा।
- बच्चो ने जो नाटक तैयार किया, उसे प्रस्तुत करने दें।
- परमेश्वर की अन्तिम मोज मनाने के लिए प्रकाशितवाक्य 3:20 पढ़े और सारांश में "द्वार" की व्याख्या करें।
- एक साथ मित्त 24:14 याद करें।
- दो या तीन लोग मिलकर प्रार्थना करें तथा एक दूसरे को उत्साहित करें।